



चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

Chaudhary Charan Singh University, Meerut

NEP-2020 के अंतर्गत परास्नातक (एम0ए0, एम0एससी0, एम0काम0)

हेतु नियम
(सत्र 2026-27 से लागू)

तालिका-1 (Table-1)

लैटर ग्रेड	विवरण	अंको की सीमा	ग्रेड पॉइंट
O	Outstanding	91-100	10
A ⁺	Excellent	81-90	9
A	Very good	71-80	8
B ⁺	Good	61-70	7
B	Above Average	51-60	6
C	Average	41-50	5
P	Pass	36-40	4
F	Fail	0-35	0
AB	Absent	Absent	0

2. उत्तीर्ण प्रतिशत

- 2.1 स्नातकोत्तर/परास्नातक कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पूर्व की भांति तीन वर्षीय स्नातक उपाधि आवश्यक होगी तथा प्रवेश के नियम व प्रक्रिया भी वही होगी जो विश्वविद्यालय ने अपनाई हुई है।
- 2.2 मुख्य (major) विषयों के प्रत्येक कोर्स/पेपर (थ्योरी) पूर्णांक 100 के Credit course हैं तथा इन सभी का उत्तीर्ण प्रतिशत 36 प्रतिशत होगा। शोध परियोजना के कोर्स/पेपर भी पूर्णांक 100 के Credit course हैं तथा इनका भी उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत होगा।
- 2.3 मुख्य विषय के प्रत्येक कोर्स/पेपर (थ्योरी) में अधिकतम 100 अंक में से प्राप्तांकों की गणना 30 अंकों के सतत् आन्तरिक मूल्यांकन व 70 अंकों की विश्वविद्यालय (बाह्य) परीक्षा में प्राप्त अंकों को जोड़ कर की जायेगी।
- 2.4 मुख्य (major) विषयों के प्रत्येक कोर्स/पेपर (थ्योरी) में उत्तीर्ण होने हेतु (अ) विश्वविद्यालय की परीक्षा में अधिकतम 70 अंकों में से न्यूनतम 21 अंक (70 का 30 प्रतिशत) एवं आन्तरिक मूल्यांकन में पृथक रूप से अधिकतम 30 अंकों में से न्यूनतम 09 अंक (30 का 30 प्रतिशत) लाने आवश्यक होंगे तथा (ब) आन्तरिक एवं बाह्य परीक्षाओं में कुल मिलाकर पूर्णांक 100 में से न्यूनतम 36 अंक प्राप्त करने होंगे।
- 2.5 आन्तरिक मूल्यांकन में उत्तीर्ण होने पर ही विद्यार्थी को उस कोर्स/पेपर की विश्वविद्यालय की बाह्य परीक्षा देने के लिये अनुमत किया जायेगा।
- 2.6 एन0ई0पी0-2020 के अन्तर्गत संचालित परास्नातक पाठ्यक्रमों के द्वितीय वर्ष के चतुर्थ सेमेस्टर में चयनित किये जाने वाले Industrial Training/Survey/Research Project को Research Project (शोध परियोजना) कहा जायेगा।
- 2.7 विद्यार्थी को यह शोध परियोजना विभाग के एक पूर्णकालिक शिक्षक (Supervisor) के निर्देशन में पूर्ण करनी होगी। इस शोध परियोजना का मूल्यांकन चतुर्थ सेमेस्टर के अंत में अधिकतम 100 अंकों में से किया जायेगा। इस कोर्स/पेपर के न्यूनतम उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत ही होंगे। विद्यार्थी को शोध परियोजना की रिपोर्ट/ Dissertation/Thesis विभाग में एक परीक्षक समिति (Board of Examiners) के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। इस परीक्षक समिति में Supervisor एवं एक बाह्य विषय विशेषज्ञ (कुलपति जी द्वारा नामित) होंगे। विद्यार्थी को शोध परियोजना के मूल्यांकन में 80 अंक Dissertation/Thesis के आधार पर दिए जा सकेंगे तथा शोध परियोजना में किए गए कार्य पर आधारित शोध पत्र Refereed Journal में प्रकाशित

Handwritten signature and date 17/10/26

Handwritten signature and date 17.10.2026

होने पर अथवा Patent अथवा Book Chapter अथवा राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र Present करने पर अधिकतम 20 अंकों में से गुणवत्ता के अनुसार अंक प्रदान किये जायेंगे। Patent/Book Chapter/ शोध पत्र का प्रकाशन Supervisor तथा विद्यार्थियों द्वारा संयुक्त रूप से कराने पर भी मान्य होगा।

2.8 किसी भी प्रकार के कृपांक (Grace marks) नहीं दिये जायेंगे।

3. कक्षोन्नति (Promotion)

3.1 विद्यार्थी को वर्तमान सेमेस्टर से अगले सेमेस्टर में सदैव प्रोन्नत किया जायेगा, चाहे वर्तमान सेमेस्टर का परिणाम कुछ भी हो। (विद्वत् परिषद् का निर्णय दिनांक 26.11.2024)

4. बैक पेपर परीक्षा

- 4.1 विद्यार्थी को बैक पेपर की सुविधा सम (विषम) सेमेस्टर्स के पेपर्स के लिए सम (विषम) सेमेस्टर्स में ही उपलब्ध होगी।
- 4.2 एक विद्यार्थी बैक पेपर के रूप में किसी एक सेमेस्टर में 12 क्रेडिट्स तक के थ्योरी व प्रेक्टिकल के पेपर ही ले सकेगा। एक विद्यार्थी दो पूर्ण सेमेस्टर्स की संपूर्ण परीक्षाएं एक साथ नहीं दे सकेगा।
- 4.3 श्रेणी सुधार हेतु स्नातकोत्तर उपाधि पूर्ण करने के 02 वर्ष के भीतर किसी एक सेमेस्टर की सम्पूर्ण वाह्य सैद्धान्तिक परीक्षा में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।
- 4.4 बैक पेपर/श्रेणी सुधार परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम (Syllabus) वही होगा जो तत्समय संचालित सेमेस्टर जिसमें वह परीक्षा दे रहा है, में उपलब्ध होगा।

5. काल अवधि

02 वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम को पूरा करने की अधिकतम अवधि 04 वर्ष होगी।

6. CGPA की गणना

6.1 SGPA एवं CGPA की गणना निम्नवत् सूत्रों से की जाएगी:

jth सेमेस्टर के लिए $SGPA (S_j) = \sum (C_i \times G_i) / \sum C_i$	यहाँ पर: C_i = number of credits of the i th course in j th semester. G_i = grade point scored by the student in the i th course in j th semester.
$CGPA = \sum (C_j \times S_j) / \sum C_j$	यहाँ पर: S_j = SGPA of the j th semester. C_j = total number of credits in the j th semester.

6.2 CGPA को प्रतिशत अंको में निम्नलिखित सूत्र के अनुसार परिवर्तित किया जायेगा:

$$\text{समतुल्य प्रतिशत} = CGPA \times 9.5$$

6.3 विद्यार्थियों को निम्नवत् सारणी के अनुसार श्रेणी (Division) प्रदान की जाएगी:

तालिका-2 (Table-2)

श्रेणी	वर्गीकरण
प्रथम श्रेणी	6.50 अथवा उससे अधिक तथा 10.00 से कम अथवा बराबर CGPA
द्वितीय श्रेणी	5.00 अथवा उससे अधिक तथा 6.50 से कम CGPA
तृतीय श्रेणी	4.00 अथवा उससे अधिक तथा 5.00 से कम CGPA

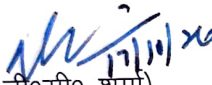
[Signature]
17/10/26

[Signature]
17/10/26

17.10.2026

Course Structure Table

Year	Sem	Major	research project	Total credits
1	1	Th-4 (05 Cr) or Th-4 (4 Cr)+ Pr-1 (4 Cr)	-	20 Cr
	2	Th-4 (05 Cr) or Th-4 (4 Cr)+ Pr-1 (4 Cr)	-	20 Cr
2	3	Th-4 (05 Cr) or Th-4 (4 Cr)+ Pr-1 (4 Cr)	-	20 Cr
	4	Th-4 (05 Cr) or Th-4 (4 Cr)+ Pr-1 (4 Cr)	1(4 Cr)	24 Cr


(प्रो० डी०सी० शर्मा)
प्राणि विज्ञान


17/10/26
संकायाध्यक्ष-विज्ञान


संकायाध्यक्ष-कला
17.10.2026

संकायाध्यक्ष-वाणिज्य